भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

जनसंपर्क विभाग

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

विषयः माननीय नागर विमानन केन्द्रीय मंत्री द्वारा एल जी बी आई हवाई अड्डे गुवाहाटी

पर हवाई अड्डे प्रचालन नियंत्रण केन्द्र (ए ओ सी सी), का उद्घाटन।

<u>गुवाहटी 12 फरवरी, 2015 :-</u> श्री अशोक गजपति राजू पूसापति, माननीय नागर विमानन केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार ने हाल में एल जी बी आई हवाई अड्डे, गुवाहाटी पर हवाई अड्डा प्रचालन नियंत्रण केन्द्र (ए ओ सी सी) तथा नए हैगरों का उद्घाटन किया। श्री किरण रिजीजू माननीय राज्य गृहमंत्री, भारत सरकार, श्री हेमंत तालुकदार, माननीय सदस्य विधानसभा पश्चिमी गुवाहाटी, श्री आर. के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष, भाविप्रा, श्री एस. रहेजा सदस्य (योजना), श्री पी.के. एच. सिंह, सलाहकार(टी एवं सी), एन ई. सी. शिलॉग तथा गुवाहाटी हवाई अड्डे के अन्य हवाई अड्डा प्रचालक/स्टेकहोल्डर उद्घाटन भी समारोह के अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधित करते समय, माननीय नागर विमानन मंत्री ने जोर देकर कहा कि विमानन सैक्टर के विकास हेतु भारत सरकार तथा क्षेत्र की राज्य सरकार को विमानन हितैषी बनना पड़ेगा। हवाई अड्डा आधुनिकीकरण से विमानन सैक्टर के समग्र विकास में योगदान होगा।

गुवाहाटी हवाई अड्डा सभी प्रमुख एयरलाइन्स यथा इंडिया , जेट एयरवेज, गो एयर, स्पाइसजेट, इंडिगो जैसे अन्तरराज्जीय एयरलाइन्स के द्वारा भारत के सभी प्रमुख शहरो जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलूर, जयपुर, अहमदाबाद, पुणे इत्यादि से जुड़ा हुआ है तथा इंफाल ,बागडोगरा, अंतरराष्ट्रीय सैक्टर में रॉयल भूटान एयरलाइन्स(ड्रक एयर) के द्वारा बैकॉक तथा पारो(भूटान) हवाई अड्डे से जुड़ा हुआ है। शिलांग(मेघालय), नाहारलागुन तथा तवांग (अरुणाचल प्रदेश) में पवन हंस द्वारा नियमित हेलिकाप्टर सेवाएं भी दी जाती हैं। वर्तमान में हवाई अड्डे पर् प्रतिदिन लगभग 94 विमानों की मूवमेंट है।

प्रातः कालीन प्रस्थान तथा साँयकाल के आगमन की सुविधा हेतु गुवाहाटी हवाई अड्डे पर तीन हेंगरो का निर्माण कार्य भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है। जिससे न केवल गुवाहाटी अपितु क्षेत्र में विमान संपर्कता में सुधार शामिल है। अतः यह हेंगर गुवाहाटी हवाई अड्डे को अंतरक्षेत्रीय हब के रुप में विकसित करने में योगदान देगा तथा क्षेत्र की सामाजिक आर्थिक विकास में वृद्धि करेगा। तीन हेंगरों की संयुक्त समता एबी-321 तथा चार एटीआर-72 को हाऊस करने की है। यह हेंगर स्टील फ्रेम संरचना से बने है तथा उच्च तन्सील जिंक एल्यूमिनीयम धातु जो कि स्टील की परत के एक सिंगल रुफिंग से ढका है।

एओसीसीः सुचारु एवं दक्ष हवाईअड्डा प्रचालन हेतु एकल विंडो नर्व केन्द्र। हवाई अड्डा जटिल बहुविध प्रचालन का एक केन्द्र है। भाविप्रा ने हवाईअड्डा सीमाओं के भीतर तथा उससे परे हवाईअड्डे प्रचालन के अन्य अंशधारियों को साथ मिलाकर एक मंच के अधीन एओसीसी की स्थापना की है। इससे हवाईअड्डा संसाधनों के अधिकाधिक उपयोग द्वारा जिसके परिणामस्वरुप यात्रियों, एयरलाइंस तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों को निबधि / त्रुटिरहित सेवाएं उपलब्ध होगी।

जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करे
मं.प्र.(ज.स 9810025069),011-24622787
सं. 65/2014-15

1 श्री अशोक गजपति राजू पूसापति, माननीय केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ने एल जी बी आई हवाई अड्डे, गुवाहाटी पर हवाई अड्डा प्रचालन नियंत्रण केन्द्र(ए ओ सी सी) तथा नए हैंगर का उद्घाटन किया। चित्र में श्री आर0के0 श्रीवास्तव, अध्यक्ष, आई ए एस, भा0वि0प्रा0 तथा श्री एस. रहेजा, सदस्य (योजना)(बाएं से दाएं)